# Hindi Sample Paper - 14

SECTION-IA : **हिन्दी**

1. **'कृष्ण गीतावली' नामक काव्य-ग्रंथ के रचयिता हैं–**
   (a) तुलसीदास
   (b) सूरदास
   (c) रैदास
   (d) केशवदास
2. **'उर्मिला' किसका प्रबन्ध काव्य है?**
   (a) नरेन्द्र शर्मा
   (b) रामेश्वर शुक्ल अंचल
   (c) बालकृष्ण शर्मा नवीन
   (d) इनमें से कोई नहीं
3. **निम्नलिखित काव्य-संकलनों में से किसके कवि अरुण कमल हैं?**
   (a) चाँद का मुँह टेढ़ा है
   (b) मगध
   (c) सागर मुद्रा
   (d) अपनी केवल धार
4. **'जननी तु जननी भई, विधि सन कछु न बसाय' में कौन-सा अलंकार है?**
   (a) छेकानुप्रास
   (b) वृत्यानुप्रास
   (c) लाटानुप्रास
   (d) इनमें से कोई नहीं
5. **इस प्रश्न में एक वाक्य दिया गया है जिसमें त्रुटि है। इसके नीचे चार विकल्प दिये गये हैं, जिसमें एक सही है। सही विकल्प चुनिये।**
   **प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते-**
   (a) प्रत्येक व्यक्ति कविता कर सकते हैं
   (b) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते हैं
   (c) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता
   (d) हर व्यक्ति कविता कर सकते हैं
6. **अविकारी शब्द क्या होता है?**
   (a) संज्ञा (b) सर्वनाम
   (c) अव्यय (d) विशेषण
7. **निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी के अंतर्गत नहीं आती है?**
   (a) ब्रजभाषा (b) अवधी
   (c) बुन्देली (d) कन्नौजी
8. **किस वाक्य में क्रिया वर्तमान काल में है?**
   (a) उसने फल खा लिए थे।
   (b) मैं तुम्हारा पत्र पढ़ रहा हूं।
   (c) अचानक बिजली कौंध उठी।
   (d) कल वे आने वाले थे।
9. **'हथियाना' में कौन-सी क्रिया है?**
   (a) प्रेरणार्थक (b) संयुक्त
   (c) अनुकरणात्मक (d) नामधातु
10. **निम्नलिखित में पुल्लिंग शब्द है–**
    (a) सरसों (b) मकई
    (c) सारस (d) मूँग
11. **'काँच' का पर्यायवाची शब्द है–**
    (a) शीशा (b) जलधि
    (c) शिपा (d) शिक्षा
12. **'गौरव' शब्द किस तद्धित प्रत्यय के योग से बना है?**
    (a) अ
    (b) इक
    (c) आयन
    (d) इनमें से कोई नहीं
13. **जिस समास के पूर्व एवं उत्तर दोनों ही पद समान रूप से प्रधान हों, उसे कहते हैं–**
    (a) तत्पुरुष समास
    (b) बहुब्रीहि समास
    (c) द्विगु समास
    (d) द्वन्द्व समास
14. **'प्रत्यक्ष' में संधि हैं–**
    (a) गुण (b) दीर्घ
    (c) अयादि (d) यण
15. **'ओछे की प्रीति बालू की भीति' का भाव है–**
    (a) बालू की दीवार कमजोर होती है।
    (b) ओछे लोग बालू की दीवार बनाकर रहते हैं
    (c) बालू की दीवार की भाँति ओछे लोगों का प्रेम अस्थायी होता है।
    (d) बालू ओछा पदार्थ होता है।
16. **'मुझे' किस प्रकार का सर्वनाम है?**
    (a) उत्तम पुरुष
    (b) मध्यम पुरुष
    (c) अन्य पुरुष
    (d) इनमें से कोई नहीं
17. **निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है–**
    (a) उज्ज्वल
    (b) कवयित्री
    (c) कवियित्री
    (d) मोक्ष
18. **उद्‌गम की दृष्टि से 'अमीर' है–**
    (a) देशज शब्द
    (b) विदेशज शब्द
    (c) तत्सम शब्द
    (d) तद्‌भव शब्द
19. **'उच्चारण' शब्द में उपसर्ग है–**
    (a) उ (b) उच
    (c) उत् (d) उच्च
20. **कर्मवाच्य में प्रधान होता है–**
    (a) कर्ता (b) भाव
    (c) विचार (d) कर्म
21. **'मोक्ष की इच्छा रखने वाला' के लिए प्रयुक्त एक शब्द है–**
    (a) निर्वाण (b) मुमूर्षु
    (c) मुमुक्षु (d) जिज्ञासु

22. **नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?**
(a) राम और श्याम भाई हैं
(b) राम ने माँ से पानी और माँगा
(c) माँ ने खाने में दाल और रोटी परोसी
(d) राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी

23. **जंगल का विलोम शब्द है–**
(a) पुष्ट (b) स्थावर
(c) स्थिर (d) पूर्ण

24. **भाषा की सबसे छोटी इकाई कौन-सी है?**
(a) शब्द (b) व्यंजन
(c) स्वर (d) वर्ण

25. **विभाव के कितने भेद होते हैं?**
(a) दो
(b) चार
(c) पाँच
(d) इनमें से कोई नहीं

26. **निम्नलिखित तत्सम-तद्भव में से कौन-सा विकल्प अशुद्ध है?**
(a) गोंठ–गाँव
(b) गाय–गौ
(c) खेत–क्षेत्र
(d) खीर–क्षीर

27. **'क्ष' ध्वनि किसके अन्तर्गत आती है?**
(a) मूल स्वर
(b) घोष वर्ण
(c) संयुक्त वर्ण
(d) तालव्य

28. **अवयव की दृष्टि से तत्पुरुष समास के ---------- भेद हैं।**
(a) छः
(b) तीन
(c) दो
(d) कोई नहीं

29. **''वह खून कहो किस मतलब का जिसमें उबाल का नाम नहीं।**
**वह खून कहो किस मतलब का जिसमें जीवन न रवानी है।''**
**किस रस का उदाहरण है?**
(a) रौद्र रस
(b) वीर रस
(c) करुण रस
(d) इनमें से कोई नहीं

30. **निम्नांकित में से कौन-सा शब्द कृत प्रत्यय से बना है?**
(a) रंगत (b) धमक
(c) अन्धेरा (d) हँसी

31. **'प' वर्ग की ध्वनियों का उच्चारण स्थान है–**
(a) ओष्ठ्य
(b) कंठ्य
(c) दन्त्य
(d) दन्तोष्ठ्य

32. **'क्लिष्ट' का सन्धि विच्छेद होगा–**
(a) क्लिश् + ट
(b) क्लिष + त्
(c) क्लिश् + त
(d) क्ल्स + ट

33. **'सहकार' का पर्यायवाची है–**
(a) फैला
(b) आय
(c) साथी
(d) सूर्य

34. **'अधजल गगरी छलकत जाए' लोकोक्ति का सही अर्थ हैं–**
(a) गगरी में छेद करना
(b) बेकायदे के काम करना
(c) व्यर्थ की बातें करना
(d) कम ज्ञान का अधिक प्रदर्शन

35. **'घर आए नाग न पूजिए बामी पूजन आए' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) कोरा दिखावा करना
(b) वक्त पर काम न करना
(c) पश्चाताप करना
(d) अवसर का लाभ न उठाना और बाद में उसके लिए परेशान रहना

**निर्देश–(प्रश्न संख्या 36 से 40 तक) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

'सेवासदन' के उपरान्त सन् 1920 में प्रेमचन्द का उपन्यास 'वरदान' प्रकाशित हुआ, किन्तु यह उपन्यास न तो सेवासदन की 'भाव-भंगिमा' को स्पर्श कर सका, इसमें न वह उष्णता थी और न ही वैचारिक स्पष्टता। ऐसा लगता ही नहीं कि 'सेवासदन' लिखने के बाद प्रेमचन्द ने इस उपन्यास का सृजन किया है, जो वैचारिक प्रौढ़ता सेवासदन में है उसका अल्पांश भी वरदान में नहीं है। उपन्यास की अधिकांश कथा में क्रमशः कृत्रिमता बढ़ती ही चली गई है और कल्पना की अतिशयता ने मूल कथानक को ही अस्त-व्यस्त कर दिया है। निःसन्देह 'वरदान' प्रेमचन्द की एक दुर्बल कृति है। वरदान के प्रकाशन के ठीक एक वर्ष बाद सन् 1921 में प्रेमचन्द का 'प्रेमाश्रम' उपन्यास प्रकाश में आया। 'प्रेमाश्रम' में प्रायः उन सभी दोषों का अभाव है, जिनके कारण वरदान एक अशक्त उपन्यास बनकर रह गया था। इस उपन्यास के माध्यम से जमींदार और कृषकों का संघर्ष पहली बार भारतीय समाज के सामने इतना खुलकर और उभरकर स्पष्ट रूप में आया तथा प्रेमचन्द की कला भी सम्भवतः पहली बार प्रौढ़तर रूप में प्रकट हुई। श्री इलाचन्द्र की कला भी सम्भवतः पहली बार प्रौढ़तर रूप में प्रकट हुई। श्री इलाचन्द्र जोशी एवं श्री अवध उपाध्याय जैसे प्रेमचन्द के प्रारम्भिक आलोचकों ने इस उपन्यास की यद्यपि तीखी आलोचना की है, किन्तु आलोचकों की आलोचना से तो कोई कृति अपनी महानता खो नहीं देती, जो सामाजिक सच था, प्रेमचन्द ने उसकी अभिव्यक्ति दी है और सच की आलोचना करने पर भी सच, सच ही रहता है।

इस उपन्यास का कथा क्षेत्र प्रेमचन्द के अब तक प्रकाशित उपन्यासों में सर्वाधिक विस्तृत था। भिन्न-भिन्न जीवन पक्षों का अत्यधिक सूक्ष्म चित्रण प्रेमचन्द ने इस उपन्यास में प्रस्तुत किया। इस रचना में उपन्यासकार ने शोषक एवं शोषित के जिस संघर्ष को चित्रित किया है वह अत्यन्त सजीव एवं रोमांचक है। लेखक ने इसमें कहीं-कहीं पर बड़े संयत दृष्टिकोण से ग्राम्य जीवन की विडम्बनाओं का चित्रण किया है।

भारतीय ग्रामीण समाज की चिन्ताजनक स्थिति की पृष्ठभूमि में उपन्यास में लेखक ने विशेष रूप से ग्राम्य जीवन की समस्याओं पर ही विचार किया है। किसानों की दयनीय स्थिति का चित्रण और जमींदारों का वर्णन करते हुए लेखक ने ग्राम-सुधार के लिए उपायों पर विचार किया है और यह कहना असंगत न होगा कि इसके लिए लेखक को गाँधीवादी आदर्शवाद का आश्रय लेना पड़ा है। सभी शोषकों का अन्ततः हृदय परिवर्तन कराया जाता है, किन्तु यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि इस उपन्यास में प्रेमचन्द जी की आदर्शवादिता एक अपेक्षाकृत व्यावहारिक व विश्वसनीय मोड़ लेती है। लेखक की सहानुभूति कृषकों के साथ होते हुए भी व्यापक है, अतः वे अपराधी एवं अन्यायी को अधिकाधिक निन्दित, उपहासित व दण्डित करके उसका सुधार एवं परिष्कार करते हैं।

प्रेमाश्रम में उद्देश्य ही उसका सर्वस्व है और यदि कथावस्तु संगठन पर लेखक ने तनिक भी और ध्यान रखा होता, तो निःसन्देह यह कृति 'गोदान' से कम महत्त्वपूर्ण नहीं होती। यद्यपि आज भी कल्पिक आलोचक 'प्रेमाश्रम' को गोदान से श्रेष्ठ मानते हैं।

36. **'वरदान' के बाद किस उपन्यास का प्रकाशन हुआ?**
    (a) गोदान
    (b) प्रेमाश्रम
    (c) गबन
    (d) सेवासदन

37. **प्रेमचन्द के किस उपन्यास में कल्पना एवं कृत्रिमता की अधिकता है?**
    (a) गोदान
    (b) वरदान
    (c) प्रेमाश्रम
    (d) सेवासदन

38. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?**
    (a) कुछ लोग प्रेमाश्रम को गोदान से श्रेष्ठ मानते हैं
    (b) 'प्रेमाश्रम' में उद्देश्य ही सर्वस्व है
    (c) 'वरदान' उपन्यास में किसी प्रकार का कोई दोष नहीं है
    (d) 'प्रेमाश्रम' में गाँधीवाद एवं आदर्शवाद का सहारा लिया गया है।

39. **प्रेमचन्द के किस उपन्यास का कथा-क्षेत्र सर्वाधिक विस्तृत है?**
    (a) गोदान
    (b) प्रेमाश्रम
    (c) सेवासदन
    (d) वरदान

40. **प्रस्तुत गद्यांश में अवध उपाध्याय का उल्लेख किस रूप में हुआ है?**
    (a) कथाकार
    (b) आलोचक
    (c) उपन्यासकार
    (d) कवि

41. **'राष्ट्र' की भाववाचक संज्ञा है–**
    (a) राष्ट्री (b) राष्ट्रीय
    (c) सौराष्ट्र (d) राष्ट्रीयता

42. **''कोई'' और ''कुछ'' का प्रयोग इनमें से किस सर्वनाम में किया जाता है?**
    (a) संबंधवाचक सर्वनाम
    (b) निश्चयवाचक सर्वनाम
    (c) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
    (d) निजवाचक सर्वनाम

43. **वर्तनी की दृष्टि से इनमें अशुद्ध शब्द है–**
    (a) यानि (b) यानी
    (c) सूची (d) शुष्क

44. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**
    (a) ओझा - उपाध्याय
    (b) कपास - कर्पट
    (c) केला - कदली
    (d) पसीना - प्रस्विन्न

45. **निम्नलिखित में से किस शब्द में 'उपसर्ग' है?**
    (a) लालिमा (b) पराजय
    (c) दशक (d) कारीगर

**निर्देश ( 46-50 ): नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–**

सबसे महत्त्वपूर्ण बात इस प्रशिक्षण के दौरान सामने आई- वह थी छात्रों तथा शिक्षकों के बीच परस्पर सम्बन्ध। हमने अध्यापकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया था जो कि वे प्रत्येक छात्र की भावना की कद्र करें तथा यह देखें कि छात्र क्या चाहता है। यदि एक बार छात्र शिक्षक से डरना बन्द कर देता है तथा दोनों के बीच एक दोस्ताना रिश्ता कायम हो जाता है तो छात्र/छात्रा के लिए सीखना आनन्ददायक और आसान हो जाता है। शिक्षक की निकटता और उपस्थिति बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। चाहे वह कक्षा में बैठकर हो या स्कूल के बाद खेल के मैदान में इससे शिक्षक एवं छात्र एक-दूसरे के निकट आ जाते है। तथा छात्र के सम्पूर्ण विकास में इसका बहुत योगदान रहता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि शासकीय शिक्षकों के साथ भी एक रिश्ता बनाए रखना चाहिए क्योंकि समान्तर शिक्षकों के रहते नियमित शिक्षक प्रायः यह समझने लगते हैं कि समान्तर शिक्षकों को उनकी कोई आवश्यकता नहीं है। एक तरह से वे निश्चित हो जाते हैं तथा सारा काम समान्तर शिक्षकों पर डाल देते हैं।

46. **बच्चों के सीखने में सबसे महत्त्वपूर्ण है-**
    (a) शिक्षक का सौम्य स्वभाव
    (b) शिक्षक की विद्वता
    (c) शिक्षक और बच्चों के बीच मित्रवत् सम्बन्ध
    (d) शिक्षक की संवेदनशीलता

47. **नियमित शिक्षकों को ऐसा क्यों लगता है कि उनकी कोई आवश्यकता नहीं है?**
    (a) समान्तर शिक्षकों पर पूर्ण निश्चित होकर काम डाल दिया जाता है
    (b) समान्तर शिक्षक ही विद्यालय की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं
    (c) समान्तर शिक्षक नियमित नहीं होते और उनकी नौकरी स्थायी नहीं होती इसलिए उन्हें सभी के कार्य करने पड़ते है
    (d) समान्तर शिक्षक का यह दायित्व है कि वह नियमित शिक्षक का बोझ कम करे

48. **प्रत्येक छात्र/छात्रा की भावना की कद्र होती है–**
    (a) उनकी बातों को ध्यान से सुनने से
    (b) यह जानने से कि वे क्या जानते हैं

(c) उनका सामना करने से

(d) उपरोक्त सभी

49. **शिक्षक और छात्रों के बीच सम्बन्ध लेखक को प्रिय है–**

(a) मित्रवत् सम्बन्ध

(b) शिक्षक के प्रति श्रद्धापूर्वक व्यवहार

(c) अनुशासन में रहकर शिक्षक की बात सुनी जाए

(d) उपरोक्त सभी

50. **शिक्षक विद्यालय के बाद भी बच्चों से रिश्ता बनाए रखता है–**

(a) ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि विद्यालय के बाहर शिक्षक-शिक्षक नहीं रहता

(b) ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि यह परम्परा के विरुद्ध है

(c) ऐसा करना ठीक है क्योंकि शिक्षक की जिम्मेदारी विद्यालय के बाद समाप्त नहीं हो सकती

(d) ऐसा करना ठीक है क्योंकि ऐसा करन से शिक्षक और बच्चों के बीच निकटता और विश्वास का रिश्ता बनता है जा बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

## SECTION-IA : **हिन्दी**

1. (a) 'कृष्ण गीतावली' नामक काव्य ग्रन्थ के रचयिता तुलसीदास जी हैं। आचार्य शुक्ल ने अपने इतिहास में इनके छोटे-बड़े बारह ग्रन्थों का उल्लेख किया है। दोहावली, कवित्त रामायण, गीतावली, रामचरितमानस, रामाज्ञा प्रश्नावली, विनय पत्रिका ये सभी बड़े ग्रन्थ हैं तथा रामललानहछू, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, बरवैरामायण, वैराग्य संदीपनी और कृष्ण गीतावली छोटे ग्रन्थ हैं।

2. (c) 'उर्मिला' बालकृष्ण शर्मा नवीन का प्रबन्ध काव्य है। नवीन जी की अन्य प्रमुख कृतियां हैं-कुंकुम, रश्मिरेखा, अपलक, क्वासि, विनोबा स्तवन, प्राणार्पण, हम विषपायी जनम के आदि।

3. (d) 'अपनी केवल धार' नामक काव्य-संकलन के रचनाकार अरुण कमल हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियां हैं-नये इलाके में, ग्रहण-3, सबूत आदि। 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' के लेखक मुक्ति बोध हैं। 'मगध' श्रीकान्त वर्मा की कृति है। इनकी अन्य कृतियां हैं-दिनारम्भ, भटका मेघ, माया दर्पण, जलसाधर आदि।

4. (c) इस पंक्ति में लाटानुप्रास अलंकार है। जहाँ शब्दों या वाक्यों की आवृत्ति हो और उनका अर्थ भी एक ही हो, केवल अन्वय करने पर अर्थ बदल जाए, वहाँ लाटानुप्रास अलंकार होता है।

5. (c) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता।

6. (c) जिन शब्दों के रूपों में लिंग, वचन और कारक के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं होता है उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। जैसे- आगे, पीछे, ऊपर, नीचे, यहाँ, वहाँ आदि। अविकारी शब्द को अव्यय भी कहा जाता है। इसके चार भेद होते हैं-

1. क्रिया-विशेषण
2. सम्बन्ध-बोधक
3. समुच्चय-बोधक
4. विस्मायदि-बोधक

7. (b) 'अवधी' बोली पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। यह मुख्य रूप से उत्तर-प्रदेश में बोली जाती है। पूर्वी हिन्दी की अन्य बोलियों में बघेली मध्य प्रदश एवं छत्तीसगढ़ में बोली जाती है। पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत आने वाली बोलियाँ हैं-कौरवी (खड़ी बोली), हरियाणवी (बांगरू), दक्खिनी, ब्रजभाषा, बुन्देली तथा कन्नौजी।

8. (b)

9. (d) 'हथियाना' नामधातु क्रिया है। वह क्रिया जो संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण में प्रत्यय जोड़कर बनायी जाती है, नाम धातु क्रिया कहलाती है।

हाथ से-हथियाना, लात से-लतियाना
बात से-बतियाना, शर्म से-शरमाना

10. (c) 11.(a)

12. (a) तद्धित प्रत्यय वे है जो क्रिया से भिन्न अर्थात् विशेषण, संज्ञा के अन्त में लगते हैं। गुरू-गौरव भाववाचक संज्ञा बनाने वाले तद्धित प्रत्यय 'अ' के योग से बना है।

13. (d) जिस समास के पूर्व एवं उत्तर दोनों ही पद समान रूप से प्रधान हों उसे द्वन्द्व समास कहते हैं। इसका विग्रह करने के लिए दो पदों के बीच 'और' अथवा 'या' जैसा योजक अव्यय लिखा जाता है। जैसे-राम-लक्ष्मण। द्वन्द्व समास तीन प्रकार का होता है-(1) इतरेतर द्वन्द्व (2) समाहार द्वन्द्व (3) वैकल्पिक द्वन्द्व। जिस समास का अन्तिम पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय और दूसरा पद संज्ञा होता है।

14. (d) 15. (c)

16. (a) बोलने वाले वक्ता को 'उत्तम पुरुष' कहा जाता है। जैसे-मै, हम परन्तु सर्वनाम में कारकों की विभक्तियाँ लगाने से इसके रूप में विकृति आ जाती है। जैसे-मैं-मुझे, मेरा, मुझसे, मुझको आदि। अत: 'मुझे' उत्तम पुरुष का सर्वनाम है।

17. (c)

18. (b) उद्गम की दृष्टि से 'अमीर' विदेशज शब्द है।

19. (c)

20. (d) कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है। वाच्य तीन प्रकार के होते हैं। 1. कर्तृवाच्य, 2. कर्म वाच्य, 3. भाव वाच्य

21. (c) 'मोक्ष की इच्छा रखने वाला' के लिए प्रयुक्त एक शब्द मुमुक्षु है।

22. (d) ''राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी।'' रोटी शब्द विशेषण है। रोटी मांगना क्रिया विशेषण है।

23. (b) 24. (d)

25. (a) जो कारण हृदय में स्थित स्थायी भाव को जाग्रत तथा उद्दीप्त करते हैं, विभाव कहलाते हैं। विभाव के दो भेद होते हैं–आलम्बन विभाव और उद्दीपन विभाव।

26. (a) 27. (c)

28. (c) जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। अवयव की दृष्टि से तत्पुरुष समास के दो भेद हैं। तत्पुरुष समास का पहला भेद व्याधिकरण तत्पुरुष समास, इसके विग्रह में उनके अवयवों में भिन्न-भिन्न विभक्तियाँ लगाई जाती है। इसी को सामान्यत: तत्पुरुष समास कहते हैं। तत्पुरुष समास का दूसरा भेद है, समानाधिकरण तत्पुरुष, इसके विग्रह में उसके दोनों शब्दों में एक ही विभक्ति लगती है, इसका प्रचलित नाम है कर्मधारय समास। जबकि समास के कुल छ: भेद होते हैं।

29. (b)

30. (d) किसी शब्द के अन्त में जोड़े जाने वाले शब्द या शब्दाश को प्रत्यय कहते हैं, जो प्रत्यय धातु में जुड़कर संज्ञा अथवा विशेषण शब्दों की रचना करते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय कहा जाता है, कृत प्रत्यय से बने शब्द कृदन्त कहलाते हैं। जैसे 'हँसी' शब्द में 'ई' प्रत्यय है।

31. (a)

32. (c) व्यंजन के साथ व्यंजन या स्वर का मेल होने से जो विकार या परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं। दिए गए शब्द 'क्लिष्ट' का सन्धि विच्छेद 'क्लिश् + त' होगा। यह व्यंजन सन्धि का उदाहरण है।

33. (c) वे शब्द जो अर्थ के स्तर पर समान होते हैं, पर्यायवाची शब्द कहे जाते हैं। 'सहकार' का पर्यायवाची 'साथी' होता है। जबकि 'आदित्य' सूर्य का पर्यायवाची है।

34. (d)

35. (d) लोकोक्ति 'घर आए नाग न पूजिए बामी पूजन आए' का सही अर्थ–अवसर का लाभ न उठाना और बाद में उसके लिए परेशान रहना है।

36. (b) 37. (b) 38. (c)

39. (b) 40. (b)

41.(d)

42.(c) सर्वनाम में छः भेद होते हैं, जिनमें अनिश्चयवाचक एक है। जिन सर्वनामों से वस्तु या व्यक्ति का निश्चय न जाना जाए, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे–कोई, कुछ।

43.(a) वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द 'यानि' है। जबकि इसका शुद्ध रूप 'यानी' होगा। 'यानी', 'सूची' एवं 'शुष्क' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

44.(b) निम्नलिखित में 'कपास–कर्पट' युग्म सुमेलित नहीं है। 'कपास' का तत्सम शब्द 'कर्पास' होता है। 'ओझा' का तत्सम शब्द 'उपाध्याय' है। 'केला' का तत्सम शब्द 'कदली' है तथा 'पसीना' का तत्सम शब्द 'प्रस्विन्न' है।

45.(b) 46. (c) 47. (a) 48. (d)

49. (a) 50. (d)